UGC Approved Research Journal No. 47845

ISSN : 2319-6513

साहित्य वीथिका

Sahitya Vithika

Peer Reviewed Bilingual Bi-Annual International Reserach Journal

(अर्धवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका)

वर्ष : ७ अंक : 12 जून : 2018

साहित्यिक व्यक्तित्व 'भारतरत्न' अटलजी की पुनीत स्मृति में...

टुटे हुए सपनों की कौन सुने सिसकी,

अन्तर की चीर व्यथा पलकों पर ठिठकी

हार नहीं मानूंगा,

रार नही ठानूंगा,

काल के कपाल पे लिखता मिटाता हूं,

गीत नया गाता हूं....

– अटल बिहारी वाजपेयी

संपादक

डॉ. दिलीप मेहरा

UGC Approved Research Journal No. 47845 ISSN : 2319-6513

साहित्य वीथिका
वर्ष : 7 अंक : 12 जून-2018

:: संपादक ::
डॉ. दिलीप मेहरा
:: परामर्शक ::
डॉ. पारुकान्त देसाई
डॉ. दयाशंकर
डॉ. दिनेश कुशवाह (रीवा)
डॉ. सुरेश गढवी
प्रो. जे. के. सिंह
तेजेन्द्र शर्मा (लंदन)
:: संरक्षक ::
डॉ. मालती दुबे
डॉ. सतीन देसाई 'परवेज़'
:: सम्पादक मण्डल ::
डॉ. शिवप्रसाद शुक्ल (इलाहाबाद)
डॉ. प्रेमचन्द कोराली
डॉ. खन्नाप्रसाद अमीन
श्री सुरेशभाई के. मेहरा
श्री एन. टी. गामीत
:: कला सज्जा ::
मयूर इसरामा

:: व्यवस्थापकीय पता ::
शोभा मेहरा
यश भवन, प्लोट नंबर-१४२३/१
शालिनी अपार्टमेंट के पीछे,
नाना बाजार, वल्लभ विद्यानगर,
जि. आणंद - ३८८१२०
Email : mehradilip52@gmail.com
सचलभाष : 94263 63370
Peer reviewed bilingual bi-annual International research journal

पत्रिका में प्रकाशित कविता, लेखादि में अभिव्यक्त विचारों से प्रकाशक या सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं । समस्त विवादों के लिए न्यायालय का क्षेत्र आणंद, गुजरात होगा।

सदस्यता शुल्क
वार्षिक २०० रुपये
पंचवार्षिक १००० रुपये
आजीवन २५०० रुपये
संस्था के लिए
वार्षिक ३०० रुपये
आजीवन ३००० रुपये

अनुक्रमणिका

१.	देशद्रोह और 'ऑपरेशन खुदाबख्श'	डॉ. शिवप्रसाद शुक्ल	३
२.	'वह लड़की' उपन्यास में दलित नारी विमर्श	डॉ. संगीता चौहान	६
३.	'कोहरे' उपन्यास में टूटते हुए दाम्पत्य जीवन की समस्या	डॉ. पारुलसिंह	१०
४.	नरेंद्र कोहली कृत रामकथा केंद्रित उपन्यासों में नारी की स्थिति	वर्षाबहन चन्द्रसिंग वसावा	१२
५.	स्त्री जीवन की विडम्बनाएँ : देह की कीमत	डॉ. अनु पाण्डेय	१५
६.	समकालीन स्त्रीवादी साहित्य : 'श्रृंखला की कड़ियाँ में अभिव्यक्त स्त्री दृष्टि'	प्रा. सुरेन्द्रकुमार साहू	१९
७.	हिन्दी उपन्यास और किन्नर विमर्श	परमार दीपिका आर.	२२
८.	'जहरीली जड़ें' कहानी संग्रह में चित्रित समस्याएँ	तेजसकुमार ए. अमीन	२४
९.	आधुनिक व्यंग्य परम्परा में डॉ. शिव शर्मा का स्थान	डॉ. अभिलाषा शर्मा	२८
१०.	स्त्री विमर्श- 'शिकंजे का दर्द' के संदर्भ में	कु. गायत्रीदेवी जे. लालवानी	३२
११.	'तमस' उपन्यास रूपांतरण फिल्म विभाजन की त्रासदी और हिन्दू-मुस्लिम संबंध	मलेक साजीदहुसेन साबीरमीयां	३५
१२.	हिन्दी कहानियों में किन्नर समाज की समस्याएँ	डॉ. देवयानी महिड़ा	३९
१३.	'वितस्ता की लहरें' में वर्णित सांस्कृतिक संघर्ष	सौरभकुमार ए. ब्रह्मभट्ट	४२
१४.	मिथिलेश्वर की कहानियों में कृषक और मजदूर समाज का अध्ययन	कन्हैया झा	४६
१५.	अपने में खोती नारी	सतेन्द्रकुमार यादव	५०
१६.	राम की शक्तिपूजा में भाषा-सौष्ठव	स्मिता एस. बारीया	५२
१७.	हिन्दी-गुजराती फिल्मों में लोकगीतों का योगदान	रवीन्द्र मकवाणा	५४
१८.	जनवादी कवि केदारनाथ सिंह	डॉ. एन. टी. गामीत	५७
१९.	जीवन के अस्तित्ववादी चिन्तन की अभिव्यक्ति : 'आत्मजयी'	डॉ. जशाभाई पटेल	६०
२०.	भारतीय दर्शन परम्परा के परिप्रेक्ष्य में 'आत्मजयी'	डॉ. रवीन्द्र एम. अमीन	६३
२१.	नयी कविता : नयी अभिव्यक्ति	डॉ. अनु मेहता	६६
२२.	मध्यकालीन हिंदी सूफी कवियों की प्रेम साधना	डॉ. हिरल शादिजा	७०
२३.	'Back to nature' की प्रतिध्वनि 'कामना'	डॉ. सुरेश पी. पटेल	७४
२४.	काव्य की रचना में लय और तुक का सौंदर्य	डॉ. करसन रावत	७६
२५.	नई कविता के प्रतिमान	कांदु रजनी लालचंद	८०
२६.	युग्मक शब्द : परिभाषा और प्रकार	आहिर ईश्वरभाई हरिभाई	८३
२७.	लोक साहित्य का अन्य समाज विज्ञानों से अंत:संबंध	डॉ. मीनाक्षी एन. जानी	८६
२८.	शरद जोशी के व्यंग्य नाटक	पूनम सिंह	८९
२९.	'अनारो' उपन्यास में नारी संघर्ष	डॉ. ज्योत्सना एन. पटेल	९३
३०.	घिर आई गिरनारी छाया : गजल मिजाज	डॉ. राजेश्वरी पटेल	९५
३१.	'राधे तेरे डुंगरिया पर' भारतवर्ष की सांस्कृतिक चेतना	डॉ. महेन्द्र नायी	९८
३२.	वैदिक देवता	डॉ. रश्मि प्रद्युम्न मेहता	१०२
३३.	The Political Philosophy Of Shree Indulal Yagnik, The Hero Of Mahagujarat Movement	Bharatkumar P. Makwana	१०५
३४.	Optimism And Its Impact On Mental And Physical Well-being	Dr. Rajubhai B. Rabari	१०७
३५.	Violence Against Women As A Social Problem	Dr. Hina Y. Gajjar	११०
३६.	Gender Inequality In India	Dr. Poonam yadav	११२
३७.	Present Condition Of Educated Schedule Caste Women In Gujarat	Chandrika J. Chavda	११४
३८.	Social Justice and Women	Anagat Anilkumar Vaghela	११५

काव्य सृष्टि : • जय सिंह 'विजय' पृ. २७ • डॉ. संगीता चौहान पृ. ४९ • डॉ. जशाभाई पटेल पृ. ७३ • डॉ. सतीन देसाई 'परवेज़' पृ. १०९

• गुजरात यूनिवर्सिटी के हिंदी विभाग में राष्ट्रीय संगोष्ठी - पृ. ९